Hiralal Mazumdar Memorial College for Women
LIBRARY
Dakshineswar, Kolkata - 700035

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Programme 6th Semester Examination, 2022

HINGGEC02T-HINDI (GE2)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) 'घासीराम कोतवाल' नाटक अपने मूलरूप में किस भाषा में रचित है ?

(ख) 'राष्ट्रवाद बनाम देशभक्ति' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

(ग) 'ठंडा गोश्त' कहानी के लेखक का नाम बताइए।

(घ) गोपीनाथ मोहंती को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' किस वर्ष प्राप्त हुआ ?

(ङ) 'चरित्रहीन' किस विधा की रचना है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) बाँस की टहनी को कच्ची रहते ही तोड़ना अधिक आसान होता है, पकने पर नहीं। अभी तो रमेश इस दुनिया के अनुभव में बिलकुल कच्चा ही है! अभी वह क्या जाने कि जायदाद कैसे चलाई जाती है ?

(ख) चोर की कमाई में मिहनत औ' मशक्कत; उसी से होती है सिपाही की फोकटिया बरक्कत। चोर खाकसार; सिपाही परवरदिगार। चोर मामूली चोर, सिपाही सरकारी चोर। चोर को जीना है तो सिपाही को सलाम करे, चोला चढ़ाए, खुश रक्खे।

(ग) सिराजुद्दीन के दिमाग में सवाल ही सवाल थे, जवाब कोई भी नहीं था। उसको हमदर्दी की जरुरत थी, लेकिन चारों तरफ जितने भी इंसान फँसे हुए थे, सबको हमदर्दी की जरुरत थी। सिराजुद्दीन ने रोना चाहा, मगर आँखों ने उसकी मदद न की। आँसू न जाने कहाँ गायब हो गये थे।

(घ) तुम न समझोगी तो कौन समझेगा—और फिर इसमें ऐसी गूढ़ बात ही क्या है ? सच माने में तुम्हें तो लड़का होना चाहिए था! बड़े-बड़े अच्छे जमींदार भी समझ-बूझ में तुम्हारा पार नहीं पा सकते।

(ङ) न कोई बेटी है, न कोई बाप; अरे, रह जाते हैं हम अकेले आप। जिन्दगी भी तो एक स्वाँग है, नौटंकी; क्या-क्या तो गुल खिलाए ये बेरहम छटंकी।

3. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'देहाती समाज' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'बधेई' कहानी की समीक्षा कीजिए।

4. ''घासीराम कोतवाल' नाटक में तत्कालीन सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिति का मौलिक चित्रण है। सत्ताधारी वर्ग और जनसाधारण की संपूर्ण स्थिति पर समय और स्थान के अंतर से कोई वास्तविक अंतर नहीं पड़ता है।''— कथन के आलोक में नाटक की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'साहित्य का तात्पर्य' निबन्ध में व्यक्त रवीन्द्र नाथ टैगोर के विचारों की समीक्षा कीजिए।

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

——×——